मिशन हरियाली राजस्थान

चर्चा में क्यों?

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने राज्यव्यापी हरित अभियान की शुरुआत करते हुए, मिशन हरियाली राजस्थान के अंतर्गत **पाँच वर्षों में 50 करोड़ पेड़ लगाने** का लक्ष्य घोषित किया है।

मुख्य बिंदु

- **मिशन हरियाली राजस्थान के बारे में:**
  - **हरियाली तीज के अवसर पर** 7 अगस्त 2024 को मिशन हरियाली राजस्थान की शुरुआत की गई थी। इस अभियान का उद्देश्य राज्य को अधिक **हरित** बनाकर इसकी **पर्यावरणीय गुणवत्ता** और **समग्र समृद्धि** में वृद्धि करना है।
- **लक्ष्य:**
  - **यह अभियान प्रधानमंत्री की पहल '** एक पेड़ माँ के नाम**'** से प्रेरित है, जिसे पिछले वर्ष **विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) पर शुरू किया गया था।**
  - इस वर्ष **हरियाली तीज** पर **2.5 करोड़ पौधे** लगाने का लक्ष्य है, जबकि पिछले वर्ष **7 करोड़ से अधिक पौधे** लगाए गए थे।
- **शहरी वन पहल:**
  - मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि **केंद्र सरकार** के सहयोग से राजस्थान में **22 शहरी वन (नगर वन)** विकसित किये जाएंगे। इसके अतिरिक्त **18 और शहरी वनों** की योजना प्रस्तुत की जा चुकी है।
  - इन हरित स्थलों का उद्देश्य वायु गुणवत्ता सुधारना और **घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों** में **प्राकृतिक वातावरण** उपलब्ध कराना है।
- **अन्य संरक्षण प्रयास:**
  - राज्य सरकार **देशी पौधों की प्रजातियों को** बढ़ावा देने तथा राजस्थान में जैवविविधता को बढ़ावा देने के लिये **"एक ज़िला एक प्रजाति" कार्यक्रम भी क्रियान्वित कर रही है।**
  - **अरावली हरित विकास परियोजना** के अंतर्गत, मृदा विकास और वृक्षारोपण प्रयासों के लिये 19 अरावली ज़िलों में 250 करोड़ रुपए का निवेश किया जा रहा है।
  - मरुस्थलीकरण **से** निपटने के लिये बाड़मेर और जैसलमेर जैसे रेगिस्तानी ज़िलों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।
- **प्रकृति के प्रति पारंपरिक आस्था:**
  - पर्यावरण संरक्षण की राजस्थान की विरासत, जो **18वीं शताब्दी में अमृता देवी द्वारा** वृक्षों की रक्षा के लिये अपनी बेटियों के साथ किये गए बलिदान से प्रेरित है, वर्तमान पीढ़ी को प्रकृति के संरक्षण के प्रयासों के लिये प्रेरित करती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mission-hariyalo-rajasthan